

कभी तो ये बाबा साथी बन जाता है जैन भजन लिरिक्स



कभी तो ये बाबा,
साथी बन जाता है,
कभी तो ये बाबा,
माझी बन जाता है,
उंगली पकड़ मेरी,
चलना सिखाता है,
कर्मों को काटकर ये,
भगवन बनाता है,
तो बोलो ना...
कभी तो ये बाबा,
साथी बन जाता है।

टोकर लगी मुझको,
पत्थर नुकीला था,
पर चोट ना आई,
बाबा ने संभाला था,
तो बोलो ना...
कभी तो ये बाबा,
साथी बन जाता है।

जो दुखड़ा दिया हम को,
हम किस से बोलेंगे,
तेरे दर पे आकर के,
छुप छुप के रो लेंगे,
तो बोलो ना...
कभी तो ये बाबा,
साथी बन जाता है।

सुनते है तेरी रहमत,
दिन रात बरसती है,
एक बूँद जो मिल जाये,
किस्मत ही बदलती है,
तो बोलो ना...
कभी तो ये बाबा,
साथी बन जाता है।



कभी तो ये बाबा,
साथी बन जाता है,
कभी तो ये बाबा,
माझी बन जाता है,
उंगली पकड़ मेरी,
चलना सिखाता है,
कर्मों को काटकर ये,
भगवन बनाता है,
तो बोलो ना...
कभी तो ये बाबा,
साथी बन जाता है।

प्रेषक – नमन जैन
8059775650
